अध्ययन मार्गदर्शिका
पुराने नियम के ऐतिहासिक विवरण
मॉड्यूल चार — वाचाई विश्वासयोग्यता

दिशानिर्देश : प्रत्येक अध्ययन मार्गदर्शिका को समय संकेतों के साथ खंडों में विभाजित किया गया है जो प्रत्येक मॉड्यूल में शामिल मुख्य श्रेणियों के अनुरूप हैं। अनुभागों में दो मुख्य घटक पाए जाते हैं : **नोट्स लेने की रूपरेखा** और **पुनर्समीक्षा के प्रश्न।** आपको वीडियो व्याख्यान देखते समय **नोट्स लेने की रूपरेखा का उपयोग करना है** और फिर मॉड्यूल प्रश्नोत्तरी की तैयारी के लिए **पुनर्समीक्षा के प्रश्नों का उत्तर देना है।** अध्ययन मार्गदर्शिकाओं का उपयोग करने के सर्वोत्तम तरीकों के बारे में अधिक जानकारी के लिए छात्र दिशानिर्देश नियमावली को देखें। साथ ही, अध्ययन मार्गदर्शिकाओं को सेव करना सुनिश्चित करें क्योंकि वे इस पाठ्यक्रम की अंतिम परीक्षा की तैयारी के लिए एक उत्कृष्ट संसाधन होंगी।

\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*

नोट्स लेने की रूपरेखा

मिनट 0:00 – 27:58

1. परिचय
2. वाचाई चेतावनियाँ
	1. संरचना और विषय-वस्तु
		1. यहोशू के बुलावे
		2. यहोशू का उपदेश
			1. यहोशू 23:2-8
			2. यहोशू 23:9-13
			3. यहोशू 23:14-16
	2. मूल अर्थ
		1. ईश्वरीय अधिकार
		2. परमेश्वर की वाचा
		3. मूसा की व्यवस्था का स्तर
		4. परमेश्वर की अलौकिक सामर्थ्य
		5. सारा इस्राएल

पुनर्समीक्षा के प्रश्न

1. यहोशू की पुस्तक के मूल अर्थ के विषय में इस अध्याय के सारांश पर फिर से ध्यान दीजिए?
2. यहोशू की पुस्तक के मुख्य भागों को उनके उचित क्रम में फिर से देखें, और प्रत्येक भाग के अध्यायों पर ध्यान दें।
3. यहोशू की पुस्तक के तीसरे भाग के तीन खंड कौन से हैं, जो अध्याय 23 और 24 में पाए जाते हैं?
4. यहोशू 23:2 में अपनी बात शुरू करते समय यहोशू ने अपने बारे में क्या कहा?
5. बाइबल में ईश्वरीय वाचा की तीन मुख्य श्रेणियाँ क्या हैं?
6. यहोशू 23 में तीनों खंड किससे शुरू होते हैं? फिर आगे क्या होता है?
7. यहोशू 23:7 में यहोशू ने इस्राएल को क्या करने के लिए कहा?
8. यहोशू 23:11 में यहोशू का उपदेश क्या है?
9. यहोशू 23:15 में यहोशू ने इस्राएलियों को किन परिणामों को भुगतने की चेतावनी दी यदि वे वाचा को तोड़ेंगे?
10. इस्राएल ने वाचाई शापों का अनुभव करना कब शुरू किया क्योंकि वे कनानी मूर्तिपूजा में पड़ गए थे।
11. अध्याय 23 सहित यहोशू की पुस्तक में कौन से पाँच विषय निरंतर पाए जाते हैं?

नोट्स लेने की रूपरेखा

मिनट 27:58 – 53:05

1. वाचा का नवीनीकरण
	1. संरचना और विषय-वस्तु
		1. बुलावा
		2. उपदेश और प्रत्युत्तर
			1. पहली बुलाहट और उसका प्रत्युत्तर
			2. दूसरी बुलाहट और उसका प्रत्युत्तर
			3. तीसरी बुलाहट और उसका प्रत्युत्तर
		3. अभिपुष्टि का संस्कार
		4. बर्खास्तगी
		5. तत्पश्चात्
	2. मूल अर्थ
		1. ईश्वरीय अधिकार
		2. परमेश्वर की वाचा
		3. मूसा की व्यवस्था का स्तर
		4. परमेश्वर की अलौकिक सामर्थ्य
		5. सारा इस्राएल

पुनर्समीक्षा के प्रश्न

1. यहोशू 24 में यहोशू ने इस्राएल के गोत्रों को कहाँ इकट्ठा किया?
2. इस सभा का उद्देश्य क्या था?
3. यह स्थान क्यों महत्वपूर्ण था?
4. क्या यह सभा इस्राएल के अगुवे के रूप में यहोशू की सेवा का अंत थी?
5. इस वाक्यांश का क्या अर्थ है जो कहता है कि इस्राएल के लोग “परमेश्‍वर के सामने उपस्थित हुए”?
6. यहोशू के भाषण ने किस तरह इस्राएल के साथ परमेश्वर की वाचा की बुनियादी बातों की ओर ध्यान आकर्षित किया?
7. सुनिश्चित करें कि आप यहोशू 24:15 की विषय-वस्तु से परिचित हैं।
8. इस अध्याय के अनुसार, यहोशू का क्या अर्थ था जब उसने कहा, “तुम से यहोवा की सेवा नहीं हो सकती; क्योंकि वह पवित्र परमेश्‍वर है; वह जलन रखनेवाला ईश्‍वर है; वह तुम्हारे अपराध और पाप क्षमा न करेगा” (यहोशू 24:19)।
9. इस्राएल ने विदेशी देवताओं को त्यागने और यहोवा की सेवा करने की यहोशू की बुलाहट का कैसे प्रत्युत्तर दिया?
10. यहोशू ने वाचा की पुष्टि का प्रतीक कैसे दिया?
11. क्या इस्राएल ने मूर्तिपूजा को ठुकराने और केवल यहोवा की सेवा करने के अपने समर्पण को पूरा किया?
12. ध्यान दीजिए कि यहोशू की पुस्तक के पाँच मुख्य विषयों में से प्रत्येक को अध्याय 24 में कैसे व्यक्त किया गया है।

नोट्स लेने की रूपरेखा

मिनट 53:05 – 1:17:53

1. मसीही अनुप्रयोग
	1. उद्घाटन
	2. निरंतरता
	3. पूर्णता
2. उपसंहार

पुनर्समीक्षा के प्रश्न

1. आज मसीहियों के रूप में, परमेश्‍वर के साथ हमारा संबंध किस वाचा से संचालित होता है?
2. यहोशू के समय के बाद इस्राएल द्वारा परमेश्वर के साथ बाँधी वाचा को तोड़ने के क्या परिणाम हुए?
3. नई वाचा किसके लहू से स्थापित हुई?
4. नई वाचा के समय की व्यवस्था कहाँ लिखी गई है?
5. मसीह राज्य के प्रत्येक चरण में यहोशू के समय की वाचा की प्रतिज्ञाओं और चेतावनियों को कैसे पूरा करता है?
	* उद्घाटन
	* निरंतरता
	* पूर्णता
6. क्या परमेश्वर उन लोगों के जीवन से अपनी वाचा के सारे संकटों, परीक्षाओं, ताड़ना और शापों को हटा देता है जो सचमुच विश्वास करते हैं?